

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

Term-End Examination

December, 2015

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPY-008 : MODERN WESTERN PHILOSOPHY**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Answer all five questions.*
(ii) *All questions carry equal marks.*
(iii) *Answers to question no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
-

1. Discuss in detail Descartes' aim, method and criterion of knowledge. Is he rightly labelled as the 'Father of Modern Philosophy' ? Comment. **20**

OR

Explain the dialectic method as expounded by Hegel. **20**

2. Write an essay on Locke's theory of ideas. How does he refute innate ideas ? **20**

OR

Write an essay on the Kantian concept of morality. **20**

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :
- (a) Discuss Berkeley's rejection of abstract ideas in detail. 10
 - (b) Who were the main proponents of rationalism and empiricism ? Make a general contrast between the two. 10
 - (c) Explain the doctrine of pre-established harmony. 10
 - (d) In what ways was the enlightenment significant to western philosophy ? Discuss. 10
4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :
- (a) What is causal parallelism according to Spinoza ? 5
 - (b) Describe the theory of innate ideas. 5
 - (c) What is the concept of self according to Hume ? 5
 - (d) What does Kant mean by 'synthetic a priori' character of knowledge ? 5
 - (e) Describe Comte's law of three stages. 5
 - (f) What do you understand by Solipsism ? 5
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :
- (a) Galileo Galilei 4
 - (b) Instrumentalism 4
 - (c) Intuitive Knowledge 4
 - (d) Modes of God 4
 - (e) Subjective Idealism 4
 - (f) The religion of Humanity 4
 - (g) Interactionism 4
 - (h) Noumenon 4

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र

बी.पी.वाई.-008 : आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

-
- नोट : (i) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।
-

1. देकार्त के ज्ञान के लक्ष्य, पद्धति और कसौटी पर विमर्श करें। 20
क्या वह वास्तव में 'आधुनिक दर्शन के पिता' हैं? टिप्पणी करें।

अथवा

हेगेल की द्वंद्वत्मक पद्धति की व्याख्या कीजिए। 20

2. लॉक के प्रत्यय सिद्धान्त पर निबन्ध लिखिए। वह आत्मजात प्रत्ययों का खण्डन कैसे करते हैं? 20

अथवा

काँट की नैतिकता की अवधारणा पर विस्तृत निबन्ध लिखिए। 20

3. **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।**
- (a) बर्कले के अमूर्त प्रत्यय के खण्डन की विवेचना करें। 10
- (b) 'बुद्धिवाद और अनुभववाद' के मुख्य पुरोधा कौन थे? 10
बुद्धिवाद और अनुभववाद के मध्य सामान्य अन्तर का वर्णन कीजिए।
- (c) पूर्वसामंजस्य सिद्धांत की व्याख्या करें। 10
- (d) पाश्चात्य दर्शन के लिए प्रबोधन कैसे महत्वपूर्ण था? 10
विचार करें।
4. **किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :**
- (a) स्पिनोजा का कारणगत समानान्तरवाद क्या है? 5
- (b) आत्मजात प्रत्यय सिद्धान्त का वर्णन करें। 5
- (c) ह्यूम के अनुसार आत्म का प्रत्यय क्या है? 5
- (d) ज्ञान के 'संश्लेषणात्मक पूर्वानुभविक' लक्षण से काँट का क्या तात्पर्य है? 5
- (e) कॉम्टे के तीन स्तरीय नियम का वर्णन करें। 5
- (f) अहंमात्रवाद से आप क्या समझते हैं? 5
5. **किन्हीं पाँच प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।**
- (a) गैलिलियो गलिलि 4
- (b) उपकरणवाद 4
- (c) अतिइन्द्रिय ज्ञान (Intuitive Knowledge) 4
- (d) ईश्वर के पर्याय 4
- (e) विषयीनिष्ठ प्रत्ययवाद 4
- (f) मानवता का धर्म 4
- (g) अन्तःक्रियावाद 4
- (h) परमार्थिक सत् 4